गन्ने का एफआरपी 305 रुपये प्रति क्विंटल घोषित

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने बुधवार को आगामी चीनी वर्ष 2022-23 के लिए गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) 305 रुपये प्रति क्विंटल घोषित कर दिया है। गन्ने का यह मूल्य पिछले चीनी वर्ष के मुकाबले 15 रुपये प्रति क्विंटल अधिक है। एक अक्टूबर से चालू होने वाले पेराई सीजन से यह मूल्य लागू होगा। इस फैसले से पांच करोड़ किसानों को सीधा लाभ होगा। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति में यह फैसला लिया गया।

घोषित एफआरपी के लिए चीनी की बेसिक रिकवरी 10.25 प्रतिशत पर निर्धारित की गई है। (एक क्विंटल गन्ने में 10.25 किलो चीनी निकलती है तो किसान को 305 रुपये मिलेंगे।) हालांकि गन्ने में इससे अधिक चीनी

पिछले साल के मुकाबले गन्ने के उचित मूल्य में 15 रुपये की वृद्धि, खेती की लागत के मुकाबले एफआरपी में 88.3% की बढ़ोतरी

की रिकवरी मिलने पर प्रत्येक अंक पर 3.05 रुपये प्रति क्विंटल का अतिरिक्त भुगतान किया जाएगा। हालांकि चीनी मिलें किसी भी हाल में 9.5 प्रतिशत से नीचे की चीनी रिकवरी पर 282.13 रुपये प्रति क्विंटल से नीचे का भुगतान नहीं कर सकेंगी। चीनी वर्ष 2020-21 में न्यूनतम दर 275.50 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित थी। सरकार की गणना के हिसाब से गन्ना खेती का लागत मूल्य 162 रुपये प्रति क्विंटल है, जबकि एफआरपी लागत के मुकाबले 88.3 प्रतिशत अधिक घोषित की गई है।